



Computer and Communication
(IEEE ICECCT 2024)

Bhilai, Chhattisgarh, INDIA

"Aisa j
stop not until the



2024 Sixth IEEE International Conference on
Electrical, Computer and Comm
Technologies (IEEE ICECCT 202
26 - 28, June 2024 | Bhilai, Chhattisgarh, INDIA

SWAMI VIVEKANAND
UNIVERSITY (CSVTU)
Bhilai, Chhattisgarh, India



Powered by







श्री अरूण साव
मान. उप मुख्यांणी छ.ग. श

श्री अरूण साव
मान. उप मुख्यांणी छ.ग. श



लोकार्पण व शिलान्यास

एवं

रुतीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय

में निर्मित शैक्षणिक भवन का लोकार्पण

सवार,

क



एवं

तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्व

में निर्मित शैक्षणिक भवन का

उद्घाटन किया





छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई
के शैक्षणिक भवन - "आर्चवट्ट भवन" का
लोकार्पण
माननीय श्री विष्णुदेव साव जी
मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन
के मुख्य अतिथि हैं
तथा
माननीय श्री विजय शर्मा जी
उप मुख्यमंत्री
मंत्री-गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा
एवं योजनाएं, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, छ.ग. शासन
माननीय श्री अरुण साव जी
उप मुख्यमंत्री
मंत्री-लोक निर्माण विभाग, पी.एच.ई., मिनि
और नगरीय प्रशासन विभाग, छ.ग. शासन
के विशेष अतिथि
एवं
माननीय श्री विजय शर्मा जी
संसद, पूर्ण लोक सभा
माननीय श्री ललित चन्द्राकर जी
विधायक, पूर्ण सदन
श्री परिसरगत उपस्थिति में सोमवार, दिनांक 04.01.2024
सन्तुष्टान मन्त्री वृ.प. फलजुन विक्रम संजय-2080 को सम्मान हुआ।
श. एच. के. बर्मा
मुख्यमंत्री





आर्यभट्ट



हमारे
प्रणेता

उपलब्धियाँ

- आर्यभट्ट ने शून्य की खोज की, जो कि गणित की सर्वश्रेष्ठ खोज है, जिसके अभाव में गणनाएं असंभव होती, क्योंकि किसी संख्या के आगे शून्य लगाते ही उसका मान 10 गुना बढ़ जाता है।
- आर्यभट्ट ने पाई (π) के मान की खोज की, इसका वर्णन आर्यभटीय के गणितपाद 10 में मिलता है।
- आर्यभट्ट ने संख्याओं के वर्ग व घन की श्रृंखला के लिए भी सूत्रों का प्रतिपादन किया है।
- आर्यभट्ट ने बताया कि पृथ्वी पर घूर्णन करती है जिसमें उसे 360 दिनों का समय लगता है।
- आर्यभट्ट ने सभी ग्रहों को पृथ्वी के चारों ओर स्थित किया, जिसका क्रम क्रमशः चंद्रमा, सूर्य, मंगल, बुध, शनि, बृहस्पति, और शुक्रेन्द्र है।
- आर्यभट्ट ने चंद्रग्रहण के बारे में सही व्याख्या दी।
- आर्यभट्ट उन पहले वैज्ञानिकों में से थे जिन्होंने बीजगणित (एलजेब्रा) का आविष्कार किया।
- उन्होंने सभी ग्रहों की गति और खगोलशास्त्र को देखने में अग्रणी भूमिका निभाई।
- उन्होंने बताया कि सूर्य की परिक्रमा वृत्त में पश्चिमी दिशा में 1543 ईस्वी तक की।

जीवनी

आर्यभट्ट प्राचीन भारत के महान गणितज्ञ, तेषविद एवं खगोलशास्त्री थे। उन्होंने नवीन और अमूल्य आविष्कारों का निर्माण किया। उनका जन्म 476 ईस्वी में कपिलवस्तु, पटना, बिहार में हुआ था। उन्होंने कुसुमपुर से शिक्षा प्राप्त की। उस समय काशी विश्वविद्यालय में वे प्राध्यापक की आयु में आये। उनकी रचना की सफलताएँ अनेक हैं।

दुर्ग संभाग अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का
लोकार्पण व शिलान्यास

एवं

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय
में निर्मित शैक्षणिक भवनों का लोकार्पण

सोमवार, दिनांक 04 मार्च 2024



श्री विजय शर्मा

मान. उप मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

श्री अरुण साव

मान. उप मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, छत्तीसगढ़





श्री विष्णुदेव सारा
मान. मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

दुर्ग संभाग अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

एवं

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय में निर्मित शैक्षणिक भवनों का लोकार्पण

सोमवार, दिनांक 04 मार्च 2024



श्री विजय शर्मा
मान. मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

श्री अरुण साव
मान. उप मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, छत्तीसगढ़





श्री विष्णुदेव साय
मान. उप मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

दुर्ग संभाग अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

एवं

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय में निर्मित शैक्षणिक भवनों का लोकार्पण

सोमवार, दिनांक 04 मार्च 2024



श्री विजय शर्मा
मान. उप मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

श्री अरुण साव
मान. उप मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, छत्तीसगढ़



दुर्ग संभाग अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों का
लोकार्पण व शिलान्यास

एवं

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय
में निर्मित शैक्षणिक भवनों का लोकार्पण

सोमवार, मार्च 04 मार्च 2024



श्री विजय शर्मा
मान. उप मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

श्री अरुण साव
मान. उप मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन



छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, छत्तीसगढ़

